आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 04.02.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- 38वें राष्ट्रीय खेलों के तहत आज विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी।
- चमोली जिले में आदिबदरी, खेती, मालसी और थापली गांव, मशरूम उत्पादन के लिए मॉडल विलेज बने।
- पौड़ी जिले में पल्स एनीमिया महाअभियान के तहत 1 हजार 877 गर्भवती महिलाओं की एनीमिया जांच के साथ ही निःशुल्क उपचार किया जाएगा।
- प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी, निचले इलाकों में बूंदाबांदी के साथ ही बादल छाए हुए हैं।

राष्ट्रीय खेल

38वें राष्ट्रीय खेलों का रोमांच अपने चरम पर है। आज विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। उत्तराखंड 1 स्वर्ण समेत कुल 17 पदकों के साथ पदक तालिका में 19वें स्थान पर है। उत्तराखंड ने अब तक वुशु, बैटमिंटन, वेटलिफ्टिंग, हैंडबॉल और योगासन में अच्छा प्रदर्शन किया है। वुशु में राज्य को सबसे अधिक एक स्वर्ण सहित 12 पदक मिले हैं। जबकि बैडमिंटन में दो रजत, हैंडबॉल में एक रजत और योगासन में एक रजत पदक मिला है।

खेल वन

देहरादून के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के समीप स्थित वन विभाग की 2 दशमलव सात–सात हेक्टेयर भूमि को खेल वन के रूप में विकसित किया जाएगा। राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतने वाले 1600 खिलाड़ियों के नाम से यहां पर रूद्राक्ष के पौधों का रोपण किया जायेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दस फरवरी को खेल वन का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से ग्रीन गेम्स की थीम पर राष्ट्रीय खेलों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है। हरित पहल करते हुए सरकार ने कई ऐसे कदम उठाए हैं, जिनसे दूर–दूर तक पर्यावरण संरक्षण का संदेश जाएगा। राष्ट्रीय खेल सचिवालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित सिन्हा ने बताया कि यहां लगाए जाने वाले हर पौधे से हमारी स्मृतियों में विजेताओं का सुनहरा प्रदर्शन हमेशा ताजा रहेगा।

मॉडल विलेज

चमोली जिले में गैरसैंण ब्लॉक के आदिबदरी, खेती, मालसी और थापली गांव, मशरूम उत्पादन के लिए मॉडल विलेज बन गए है। नैनीताल, अल्मोड़ा और पौड़ी जिले के 25 किसानों ने इन गांवों का भ्रमण कर नई तकनीक से बनाए गए टनल और शैड में मशरूम उत्पादन की जानकारी ली। इस दौरान किसानों ने अतिरिक्त आय स्रोत के रूप में इस मॉडल को अपनाने में रुचि दिखाई। वहीं, जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कहा कि कृषि और बागवानी को बढ़ावा देकर पहाड़ों से पलायन रोका जा सकता है। उन्होंने बताया कि जिले में किसानों को सेब, कीवी, मशरूम और अन्य नगदी फसल उत्पादन से जोड़कर उनकी आजीविका संर्वधन पर ध्यान दिया जा रहा है। मुख्य कृषि व उद्यान अधिकारी जे.पी तिवारी ने कहा कि जिले में मशरूम उत्पादन के लिए उपयुक्त जलवायु, संसाधन और बाजार उपलब्ध है। मशरूम उत्पादन, किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में सार्थक सिद्ध हो रहा है। गौरतलब है कि चमोली जिला प्रशासन ने आदिबदरी, खेती, मालसी, थापली आदि गांवों में किसानों को प्रशिक्षण दिया। इसके अलावा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में मशरूम उत्पादन के लिए इन गांवों में मशरूम टनल और शेड बनाए गए। आज यहां उत्पादित ऑर्गेनिक मशरूम की बाजार में मांग बढने के साथ किसानों को अच्छे दाम मिल रहे हैं।

बैठकी होली

चम्पावत जिले के विभिन्न स्थानों में बैठकी होली का गायन शुरू हो गया है। टनकपुर, चंपावत, पाटी, लोहाघाट और खेती खान सहित ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बसंत पंचमी के दिन से हारमोनियम व तबले की थाप पर विभिन्न राग फागों में बैठकी होली का गायन कर होल्यार, होली के रंगों में सरोबार हो रहे हैं। संगीत प्रेमी हिमेश कलखुड़िया ने बताया कि बैठकी होली शास्त्रीय संगीत पर आधारित होती है।

एनीमिया महाअभियान

पौड़ी जिले में पल्स एनीमिया महाअभियान के तहत 38 चिकित्सालयों और 225 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में पंजीकृत 1 हजार 877 गर्भवती महिलाओं की एनीमिया जांच के साथ ही निःशुल्क उपचार की सुविधा प्रदान की जाएगी। जिला अस्पताल में इस अभियान का शुभारंभ करते हुए पौड़ी के विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि जच्चा– बच्चा की सुरक्षा के लिए सरकार ने यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

नोडल अधिकारी डा. रमेश कुंवर ने बताया कि जिले में यह अभियान 10 फरवरी तक चलेगा। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के दौरान एनीमिया न केवल मां के स्वास्थ्य पर असर डालता है, बल्कि शिशु के कम वजन, समय से पहले जन्म और प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं का कारण भी बन सकता है। उन्होंने कहा कि महिला के प्रसव के बाद मां और बच्चा दोनों स्वस्थ रहें, इसलिए गर्भवती महिला की एनीमिया की जांच बहुत जरूरी है।

मौसम

प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी जबकि, निचले इलाकों में बूंदाबांदी के साथ ही बादल छाए हुए हैं। उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री धाम में इस महीने की पहली बर्फबारी हुई। वहीं निचले इलाकों में कहीं–कहीं बादल छाए हुए हैं। बागेश्वर जिले के ऊंचाई वाले क्षेत्र– पिंडरघाटी में हल्की बारिश के समाचार है। राजधानी देहरादून में आज बूंदाबांदी हुई। वहीं प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में बादल छाए हुए हैं। इस बीच, मौसम विभाग के वैज्ञानिक रोहित थपलियाल ने बताया कि आज उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिले के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इस दौरान टिहरी, देहरादून, पौड़ी, चम्पावत, नैनीताल, ऊधमसिंह नगर और हरिद्वार में कहीं–कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

यूसीसी कार्यशाला

चमोली जिला सभागार में समान नागरिक संहिता–यूसीसी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रेजेंटेशन के माध्यम से यूसीसी कानून के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही यूसीसी के विधिक प्रावधानों के उल्लंघन के दण्डात्मक परिणामों के बारे में भी बताया गया। इस दौरान जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने आम जनमानस को जागरूक करने के लिए जिला कार्यालय, तहसीलों और ब्लॉक कार्यालयों सहित नगर निकायों के प्रमुख स्थानों पर यूसीसी के होर्डिंग्स लगाने के निर्देश दिए।